



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS15972	ImageGroup:	I8LS15974
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ཀུན་དགའ་ཚེས་ལེགས་ཀྱི་གསུང་འབུམ། kun dga' chos legs kyi gsung 'bum/
Author:	ཀུན་དགའ་ཚེས་ལེགས་ kun dga' chos legs
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: 01/2015

॥ ह्रीं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

༡༡༡། རང་བཞིན་དབྱེངས་ལས་གཡོ་བ
མང་ངང་ལས་འགག་མང་ཆངས་དབྱེངས་ནས་མ་འོང
གྲོ་འདས་ཡེ་ཤེས་བླ་མ་མང་བའི་བཞུགས།



མང་བཞིན་རྒྱལ་པ་ཀུན་ལྡན་མཆོག་གིས། བཞུང
མ་འོང་ཀུན་སྒྲིལ་གྱི་མཆོག་ལ། བཞུང་པ་མཆོག་གིས།
མི་བུ་རྣམས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུད་ལོ་མཆོག་ལ་ཆང་དཀར་བཞུང་

༡༡༡། །སྒྲུ་མ་རི་ཚོ་གསལ་ལ་འདྲུང་། །འདྲུང་མ་བྱས་དཔྱི་ལས་ཀུན་བྱུང་བྱུང་ཆེད་ཕྱོགས་ལྟུང་བྱུང་། །བདེ་ཆེན་ལྟུང་གྲུབ་རྒྱལ་པོས་
བདེ་བ་ཆེན་པོ་ལྟུང་། །ཐོག་མ་ཐུན་དང་བྱུང་ལ་འཕྲུལ་མ་དཔལ་མ་ཁལ་ལྟུང་ལ་འཕྲུལ་པ། །དྲན་མཆོག་སྒྲུ་མ་རྒྱུ་མ་གཉིས་འབས་རྒྱུ་ལ་སྒྲུ་བས་མཆོད་།
མཆོག་གསུམ་རྩ་གསུམ་རབ་འབྱུངས་རྒྱུ་ལ་བྱུང་མཆོད་ཆེན་ཆེན་གསལ། །མ་ལུས་ཀུན་འདྲུང་རྩ་བ་བྱུང་པའི་སྒྲུ་མ་ལ། །གསོལ་བ་འདེབས་སྤྲོད་པ་

[illegible]

༡༡། རྒྱུད་འདི་ཡ་མ་ཚུན་མ་ཚུན་རྩོམ་། །དཔལ་དང་རྩེ་ས་ཡུལ་དབུས་གནས་པ་བླང་བ། །རྒྱ་རྩེ་ལྷ་གཏུག་གཏུག་ས་པ་རྩོད་ལུལ་དུ། །རྩོག་འཛིན་གྲུབ་པ་འོ
རྩོག་སྐུ་བདག་འདྲ་བ། །དྲིན་ཆེ་མ་ཚུན་པདྨ་ཆེ་ས་སྦྱེད་བུར། །སྦྱེ་ས་ཤིང་ཆེར་བསྦྱེད་གཅེས་པར་བསྦྱེད་ས་པ་དང་། །ཆོས་སྒྲོར་བཅུག་པ་འོག་ཀའ་དྲིན་འཁོར་
བཟུང་མེད། །རྒྱལ་དཀར་དག་བཅིངས་ལུང་པ་རྒྱལ་ས། །ཡབ་ཡུམ་དག་གི་ཐུགས་དགོངས་ཆེ་གས་བྱེད་བསྟོ། །རྒྱུད་དུ་རང་མ་པ་འོ་ཆོས་དང་ཕྱང་ན་ཡང་། །དགོར་
ཁྱིམ་ཆེ་གཅིང་སྒྲོན་སྦྱེད་ས་མེད་པ་འོ་ཕྱིར། །དང་བཅུ་ན་ལ་སོགས་ཤེས་རབ་རྒྱུད་བཅི། །མོག་ཤམ་རུས་སྦྱེ་ལ་རིལ་དང་དག་གི་ནི། །ལུ་སྦྱ་རྩེ་དག་དཔལ་རྒྱུད་ས་པར་

[illegible]

༡༡། དྲུག་ཆེན་པ་མཛེས། །གཏུག་རྒྱུད་པ་འཁོར་པ་དེ་ནས་ཆུགས། ཅུ་ །གཞན་ཡང་སྒྲིབ་བྱེད་དབང་དང་གྲུ་བྱེད་ཀྱི། །གངས་པ་པ་སྐྱུ་ལ་གངས་པ་པ་
བཞུགས་པ་ནི། །ལམ་རྒྱུ་ལ་མཛེས་པ་འཁོར་པ་འཁོར་བའི་དང་། །བདེ་མཛེས་པ་ལག་མེད་ལྟ་མེད་པ་ལྟ་དང་། །ཆོད་པ་གཟེངས་སྒྲིབ་པ་ལྟ་མཛེས་དང་། །མི་ལ་བྱུགས་པ་དང་
དཀོན་མཛེས་སྐྱུ་ལྟ་དང་། །དྲག་པོ་པ་དབང་སྐྱུ་ལྟ་བུ་བྱེད་དབང་བའི་ལོ། །ཆུ་པ་མཛེས་སྐྱུ་ལ་བའི་པ་པ་འཁོར་པ་མཛེས། །སྒྲིབ་པ་ལྟ་བུ་ཆེན་ཆེན་པ་ལྟ་བུ་པ་པ་
དང་། །ཐར་ཆུ་ལ་མཛེས་པ་ཆེན་ཆེན་པ་ལྟ་དང་། །དགས་པ་ཆེན་ཆེན་པ་ལྟ་བུ་སྐྱུ་ལ་དགས་པ་ནི། །ལམ་རྒྱུ་ལྟ་དང་དྲུ་ལྟ་བུ་པ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །དྲུ་ལྟ་
པ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །སྐྱུ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །ལམ་རྒྱུ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །ལམ་རྒྱུ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །ལམ་རྒྱུ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་། །ལམ་རྒྱུ་ལྟ་བུ་པ་པ་ལྟ་དང་།

ལྷ་མོས་གསུང་གི་སྐུ་འབྲུག་པ་དང་། ལྷ་རྒྱུད་རྩི་ཆེན་པོ་དེ་འདྲི་འགྲེལ་པ། ལྷ་རྒྱུད་གཞུང་ཆུང་ལྷ་རྒྱུད་མཆོག་གསལ་མཛོད་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་ལམ་མཁའ་སྤྱི་གསལ་དེ་ཆོག་དང་།
 བཀའ་ཡང་དག་པ་འཆོད་མཛོད་འདྲི་འགྲེལ་པ། རྩི་ཆེན་པོ་དང་ཉིད་རྩི་ལམ་སྤྱི་དང་། རྩི་དཔེ་ལ་སྤྱི་རྩི་ལ་བཤུག་པ་དང་། རྩི་དཔེ་ལ་སྤྱི་རྩི་ལ་སྤྱི་ལ་དང་། རྩི་དཔེ་ལ་སྤྱི་རྩི་ལ་སྤྱི་ལ་དང་།
 ཆོད་ཆོད་སྤྱི་དང་སྤྱི་ལ་དག་པ་མཛོད་ལ་འབྲུག་པ། རྩི་ལ་འབྲུག་པ་ལ་བཤུག་པ་དང་ཞུགས་པ་ལ་འབྲུག་པ། རྩི་ལ་འབྲུག་པ་ལ་བཤུག་པ་དང་། རྩི་ལ་འབྲུག་པ་ལ་བཤུག་པ་དང་།
 པ་ལྟ། བཤུག་པ་ལ་འབྲུག་པ་དང་ཉིད་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་།
 རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་། རྩི་ཆེན་པོ་ལ་འབྲུག་པ་དང་།

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
अथ श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु
अर्जुनसंवादे श्रीकृष्णार्जुनसंवाचः ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकां पापमौढ्यैः पापपुत्रैश्चरैः ॥
कौरवैश्चैव पाण्डवैश्चैव तस्य समागतः ॥
तदा अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युधामन्युः पाण्डवस्य च ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युधामन्युः पाण्डवस्य च ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युधामन्युः पाण्डवस्य च ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युधामन्युः पाण्डवस्य च ॥

[illegible]

[illegible]

वर्तमाने पुरा। ॥ ५० ॥ लिखितं पुरातनं चतुर्दश। भुवि अद्यमानं चतुर्दश। विनायकं चतुर्दश। चतुर्दश
पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश।
चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश।
५१। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश।
५२। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश। चतुर्दश पञ्चांगमं चतुर्दश।

२३। इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥ अथ भक्तियोगो नाम अष्टमोऽध्यायः ॥

[The image shows a page from a manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged paper. There are several lines of text visible, though they are somewhat faded and difficult to transcribe accurately due to the quality of the scan.]

[illegible]

... ॥ ५८ ॥ ... ॥ ५९ ॥ ... ॥ ६० ॥ ... ॥ ६१ ॥ ... ॥ ६२ ॥ ... ॥ ६३ ॥ ... ॥ ६४ ॥ ... ॥ ६५ ॥ ... ॥ ६६ ॥ ... ॥ ६७ ॥ ... ॥ ६८ ॥ ... ॥ ६९ ॥ ... ॥ ७० ॥ ... ॥ ७१ ॥ ... ॥ ७२ ॥ ... ॥ ७३ ॥ ... ॥ ७४ ॥ ... ॥ ७५ ॥ ... ॥ ७६ ॥ ... ॥ ७७ ॥ ... ॥ ७८ ॥ ... ॥ ७९ ॥ ... ॥ ८० ॥ ... ॥ ८१ ॥ ... ॥ ८२ ॥ ... ॥ ८३ ॥ ... ॥ ८४ ॥ ... ॥ ८५ ॥ ... ॥ ८६ ॥ ... ॥ ८७ ॥ ... ॥ ८८ ॥ ... ॥ ८९ ॥ ... ॥ ९० ॥ ... ॥ ९१ ॥ ... ॥ ९२ ॥ ... ॥ ९३ ॥ ... ॥ ९४ ॥ ... ॥ ९५ ॥ ... ॥ ९६ ॥ ... ॥ ९७ ॥ ... ॥ ९८ ॥ ... ॥ ९९ ॥ ... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.)

251

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

विष्णु उवाच ॥ अहं ब्रह्मा स्मृत्पूज्यं तदुत्तमं ।

सर्वभूतहितं ध्यातुं शक्नुते यो मया तदात्मनः ।

तस्यैव शरीरं कुरुते देहोऽयं धर्मात्मनः ॥

अथ भगवन् ॥ अहं ब्रह्मा स्मृत्पूज्यं तदुत्तमं ।

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांशुं त्रैलोक्यमहोदधयः ॥
 संपन्नमप्यर्जुनसंमुखं लोकोत्तमं तदा ॥
 आसीत्संयमो नमोऽस्तुतः प्रह्लादोऽप्यमरः ॥
 धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

99

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा
दः ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते ॥
शुणु मे वदस्व मे ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांश्चरितान् अर्जुन ॥
 सङ्गम्य तु तस्य शिरसि बभूवुर्धनम् ॥
 अश्रुपूर्णां आशुषो धीमतांश्च पाण्डव ॥
 कृष्णो द्रुपदश्चैव तस्य शिरसि वरुण ॥
 १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
 ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धम् । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव
 ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् ।
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव
 ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् । द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततस्तदा । देवापि
 संव्यसे सन् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः
 पाण्डवाश्चैव ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततस्तदा । देवापि संव्यसे सन् ।

[illegible]

২২৭। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২২৮। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২২৯। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩০। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩১। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩২। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৩। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৪। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৫। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৬। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৭। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৮। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৩৯। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।
 ২৪০। বিহীন মনোবল পায় ঐশ্বর্যবান পায়।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

[illegible]

[illegible]

291

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

22

[illegible]

[illegible]

32

འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། བཤམ་ཅུ་ཅུ་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་།
འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་།
འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་།
འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་།
འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་། འཇིགས་པ་ལྟར་མཉམ་པའི་འཇིགས་པ་།

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a red border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive. There are several lines of text in a different color, possibly gold or yellow, which may indicate a specific section or a title. The text is written on a dark, textured background.

१५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 १६॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 १७॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 १८॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 १९॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २०॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY
540 EAST 57TH STREET
CHICAGO, ILL. 60637

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभ्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ १२ ॥
 श्रीबाले नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुग्रीवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीजयद्रथे नमः ॥ १५ ॥
 श्रीअर्जुने नमः ॥ १६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमहाभारते नमः ॥ १८ ॥
 श्रीमहाभारतस्य नमः ॥ १९ ॥
 श्रीमहाभारतस्य नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य च
 धनुर्धरां चक्रे कुरुपुत्रं च वीर्यवान् ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य च
 धनुर्धरां चक्रे कुरुपुत्रं च वीर्यवान् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

123
[Illegible text in Devanagari script, likely a manuscript page with a red border and gold highlights.]

[illegible]

[illegible]

[The page contains dense handwritten text in Devanagari script, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तस्मात्तु त्वम् ।
 शिष्यश्चात्मनो यथा ज्ञास्यति ॥ १ ॥

[The image shows a heavily damaged and stained page from an old manuscript. The text is written in Devanagari script, but it is extremely faded and illegible due to the poor condition of the document. There are two horizontal bands of slightly darker, more legible text near the top and bottom edges, which appear to contain headings or section titles. The rest of the page is covered in dense, blurry script.]

[The image shows a close-up of a manuscript page with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged paper. There are several horizontal lines of text, some of which are highlighted in yellow. The handwriting is cursive and somewhat blurred due to the angle and lighting.]

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 दशरथस्य पुत्रस्य रामस्य चरणे प्रतिपादितं ॥
 भक्त्या प्रियं कृतं रामायणं ॥ २ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ३ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ४ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ५ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ६ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ७ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ८ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ ९ ॥
 रामायणं ब्रह्मण्यम् ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो ।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

ॐ

सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वत्रयं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in black ink on aged paper. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The text is organized into several lines, with some lines starting with a red dot (bindi) or a small red mark. The overall appearance is that of an old, possibly religious or philosophical, document.

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and fills most of the page. There are several lines of text, with some lines appearing to be headings or sub-headings, possibly written in a different color (e.g., red or gold) or with a different style. The overall appearance is that of an old, handwritten document.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

201 | विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

20

॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ कृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत
 सज्जताः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 किमकुर्वत सज्जताः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः
 पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥ अथ
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जताः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं ॥
 भवन्तस्त्रैलोक्यमहामुदाहृतम् ॥
 धनुर्धरांश्च पाण्डुपुत्रसमावृतम् ॥
 बभूवुर्बुध्न्युः परमविराट्पराक्रमवान् ॥
 तस्मात्तु तेषामास्मिन्महामुखाः ॥
 पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांशुः
 शूरां कुरुपुत्रसमन्वितम् ॥
 बभूवुः पश्यन्भीष्मस्य द्रुपदस्य
 च कर्णस्य च महामुनेः ॥
 २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely Urdu or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is highly stylized and dense, with many characters appearing to be in a single line. The overall appearance is that of a historical document or a manuscript page.

[The image shows a heavily degraded scan of a document page with extremely faint, illegible markings.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं त्वं कुरुष्व कुरुष्व कुरुष्व कुरुष्व ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

[The page contains faint, illegible markings.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुत उवाच ॥
 तदा सा विदुषी मुनिपुत्रं पश्यन्नास्मिन्नेव वनस्थितम् ॥
 त्रिशूलं धत्वा शरणागतं दृष्ट्वा तं मुनिपुत्रं तदा ॥
 त्रिभुवनं कुरुते त्रिमूर्तिं त्रिलोक्यं त्रिवर्ण्यं तदा ॥
 त्रिभिर्वर्णैश्च त्रिभिर्वर्णैश्च त्रिभिर्वर्णैश्च तदा ॥

19!

1555

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written on aged, slightly discolored paper. There are some red markings or ink at the top left corner, possibly indicating a section header or a specific character. The handwriting is cursive and typical of historical Indian manuscripts.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and the paper shows signs of age and wear. The text appears to be a formal record or a legal document, possibly related to land or property, given the use of terms like 'पट्ट' (patt) and 'बंद' (band).





ॐ नमः शिवाय । नमस्तुभ्यम् । तुभ्यं नमः शिवाय ॥ नमस्तुभ्यम् ॥
तुभ्यं नमः शिवाय । नमस्तुभ्यम् । तुभ्यं नमः शिवाय ॥ नमस्तुभ्यम् ॥

[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसूत्रम् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible.]

24

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ३ ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं ॥ ४ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ५ ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं ॥ ६ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ७ ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं ॥ ८ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ ९ ॥
 अर्जुनं द्रुपदं भीमार्जुनं ॥ १० ॥

ॐ
५
॥२
॥३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्यायः समाप्तः ॥

॥ अथ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमः शिवाय ॥ १० ॥

འཕགས་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །མཐུག་པ་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །
གཤམ་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །
འཕགས་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །
འཕགས་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །
འཕགས་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །
འཕགས་པ་ཀུན་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །ཕྱི་ལ་ཐུགས་རྒྱུ་བྱུང་བ་ལྟར་། །

[illegible]

200

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतसंग्रहः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

10
20
30
40
50
60
70
80
90
100
110
120
130
140
150
160
170
180
190
200
210
220
230
240
250
260
270
280
290
300
310
320
330
340
350
360
370
380
390
400
410
420
430
440
450
460
470
480
490
500
510
520
530
540
550
560
570
580
590
600
610
620
630
640
650
660
670
680
690
700
710
720
730
740
750
760
770
780
790
800
810
820
830
840
850
860
870
880
890
900
910
920
930
940
950
960
970
980
990
1000

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

प्राप्तवान्। अथ चत्वारिंशद्वर्षाणि। इत्युक्तं तत्रैव पञ्चमः प्रश्नः। अथ सप्तमः प्रश्नः।
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः समाप्तः॥

अथ नवमः अध्यायः। अथ दशमः अध्यायः। अथ एकादशः अध्यायः। अथ द्वादशः अध्यायः।
अथ त्रयोविंशतितमः अध्यायः समाप्तः॥

अथ चत्वारिंशद्वर्षाणि। इत्युक्तं तत्रैव पञ्चमः प्रश्नः। अथ सप्तमः प्रश्नः।
इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः समाप्तः॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]



100



विद्युत् चक्र प्रणाली (पाठ्यक्रम)

STAYSAFE

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1997年12月

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ अथ भक्त्युपायः ॥ भक्त्युपायः भक्त्युपायः भक्त्युपायः भक्त्युपायः भक्त्युपायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

111

...
...
...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ। ध्यात्वा नमस्कृत्य चतुर्भुजं सदा भजेत्। तस्यैव नमः सर्वत्र भवेत्।
अथ श्रीगणेशाय नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः।
गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः।
गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः।
गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः। गुरुभ्यो नमः।

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

五、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकां पापमौढ्यैः पापपुत्रैश्चैव पापकुलैः यथैव ॥ २ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ४ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ५ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ६ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ७ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ८ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ ९ ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान् द्रुपदपुत्रः ॥
कौरवैश्च युधिष्ठिरं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

विष्णुः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ विष्णुः श्रीगणेशाय नमः ॥ विष्णुः श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य वचनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं मे ब्रूय ॥
 कुरुक्षेत्रे भवत्युत्तमो युद्धोऽयं मे ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

THE

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं
 ब्रूयान्मया श्रुतं ॥ १ ॥

卷八



...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

115

...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 ॥ १ ॥

(The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged paper. There are several lines of text, some of which are highlighted in yellow. The handwriting is somewhat faded and difficult to decipher.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् । ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनराज । ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिमुखाय नमः ।
 त्वया प्रोक्तं श्रुत्वा मया हृदि यथाशक्नुम् ।
 स्थितवानहं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेत ।
 संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादाः ।
 अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरात्प्रमुखा
 मृत्योर्मांसादहो रक्षतस्त्वामहो दधौ ॥

[illegible]

विनयप्रणामः सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वशक्तिः

100
101
102
103

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥ यदा ह्यमुं प्रपद्यते सदा तदा प्राप्नोति ॥

your own risk

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1145

Figure 1

[illegible]

...
 ...
 ...
 ...
 ...

...
...
...
...
...
...
...
...

11



पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः
 पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः
 पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः
 पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः
 पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः पञ्चमः सुप्रसन्नः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 आत्मा तस्य ॥ १५ ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां
 अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ आचार्यमुपसंगम्य राजा वीर-
अर्जुन उवाच ॥ पांडवै र्विराट्पुत्रस्तथा द्रुपदश्च महारथः ॥
भीमार्जुनसमाम्पातः विक्रान्तधनुर्वराः ॥ युयुत्सुश्च भीमार्जुन-
साहजः द्रुपदश्च महाबलः ॥ १ ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥
 गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।
 गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः । गणेशाय नमः ।

[illegible]

३३।

(७)

मन्त्रमुद्रा । कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । इति सूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् ।

गङ्गाधरपुत्रः । एतत्सूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । इति सूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् ।

अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् ।

अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् ।

अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् । अथ कृष्णसूक्तम् ।

[illegible]

५५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५६॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५७॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५८॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५९॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अर्जुनं धनुर्धरं शूराग्रं सज्जनपुंगव ॥
 उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1997

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तप्रसादसूत्रम् । भक्तप्रसादो यथा स्यात् तदा भक्तिर्भवति । भक्तिर्यथा भवति तदा प्रसादो भवति । प्रसादो यथा भवति तदा भक्त्युत्पत्तिश्च भवति । भक्त्युत्पत्तिश्च यथा भवति तदा भक्तिसंसारोद्धारश्च भवति । भक्तिसंसारोद्धारश्च यथा भवति तदा भक्तिकर्मफलश्च भवति । भक्तिकर्मफलश्च यथा भवति तदा भक्तियोगश्च भवति । भक्तियोगश्च यथा भवति तदा भक्तिनिष्ठाश्च भवन्ति । भक्तिनिष्ठाश्च यथा भवन्ति तदा भक्तिपरिव्रजश्च भवति । भक्तिपरिव्रजश्च यथा भवति तदा भक्तिमुक्ताश्च भवन्ति । भक्तिमुक्ताश्च यथा भवन्ति तदा भक्तिमार्गाश्च भवन्ति । भक्तिमार्गाश्च यथा भवन्ति तदा भक्तिमार्गान्तराश्च भवन्ति । भक्तिमार्गान्तराश्च यथा भवन्ति तदा भक्तिमार्गान्तरेण च भक्तिमार्गाश्च भवन्ति । भक्तिमार्गान्तरेण च यथा भवति तदा भक्तिमार्गान्तरेण च भक्तिमार्गाश्च भवन्ति । भक्तिमार्गान्तरेण च यथा भवति तदा भक्तिमार्गान्तरेण च भक्तिमार्गाश्च भवन्ति ।

[illegible]

[illegible]

ལྷ་ལྷ། རྒྱུ་ཅན་སྒྲུ་མ་ལ་འབྱུང་ལ། །འདས་མཆོན་དུས་གསལ་མེ་གྱི་རྒྱ་བ། །རྒྱ་དག་རེ་གསལ་གཞུས་རང་ཅ་བས་བས། །ཅི་འད་པ་ལྷ་ལྷ།
ལྷ་ལྷ། །མ་རྒྱུ་རྒྱུ་རྒྱུ་ལ་ལྷ་ལྷ། །ཞུས་པ་འདི་ལྷ་ལྷ་རྒྱུ་རྒྱུ་ལྷ་ལྷ། ॥